सिर्फ बाहरी नहीं, अंदरूनी स्वच्छता पर भी ध्यान दें

रांची. भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम रांची) में हिंदी पखवाड़ा और स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया. हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह में मुख्य अतिथि रांची विवि के हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ जेबी पांडेय थे. उन्होंने कहा कि हिंदी भारत की अस्मिता की भाषा है. हिंदी भारत की राजभाषा और राष्ट्र भाषा दोनों है. राजभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है. हिंदी ही एक ऐसी भाषा है जो "अ" से "अनपढ" से शुरू होकर "ज्ञ" से "ज्ञानी" पर समाप्त होती है. मतलब एक अनपढ़ को ज्ञानी में परिणत करती है. स्वच्छता पखवाड़ा को लेकर आइआइएम रांची के निदेशक डॉ शैलेंद्र सिंह ने कहा कि हमें सिर्फ बाहरी ही नहीं बल्कि अंदरूनी स्वच्छता पर भी ध्यान देना चाहिए. हिंदी भाषा के लिए कहा कि दूसरी भाषा सीखने में कोई बुराई नहीं है परंतु हमें अपनी राष्ट्रभाषा हिंदी की कद्र करते हुए ज्यादा से ज्यादा अपनी भाषा का उपयोग करना चाहिए. हिंदी पखवाड़ा के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. इसमें शिक्षकों, कर्मियों और छात्रों ने हिस्सा लिया. वहीं स्वच्छता पखवाड़ा के अवसर पर सफाई अभियान चलाया गया. विजेताओं को पुरस्कृत किया गया.

- भारतीय प्रबंध संस्थान में राजभाषा एवं स्वच्छता पखवाड़ा मना

ये बने विजेता : श्रुति लेखन : प्रथम अनुभव मिश्रा, द्वितीय प्रियंका, **कविता पाठ** : प्रथम अनुभव मिश्रा, द्वितीय प्रभुनाथ रावत, **निबंध प्रतियोगिता** : प्रथम अमन वत्स, द्वितीय तानिया सैनी, **वाद-विवाद प्रतियोगिता** : प्रथम विनीत कुमार और द्वितीय तानिया सैनी.

Prabhat Khabar, 05.10.2018, Pg. 18